

26th OCTOBER.

A REPORT ON AN EXPERT TALK:

"Accreditation Requirements for Universities"

by

Dr. Sudip Das
Director IQAC & Dean Admission,
B.I.T Mesra Ranchi.

ORGANIZED BY

IQAC, SARALA BIRLA UNIVERSITY
Date: 26th October, 2024.
Room No. A1-603
SARALA BIRLA UNIVERSITY
BIRLA KNOWLEDGE CITY, MAHILONG, RANCHI

Internal Quality Assurance Cell (IQAC), Sarala Birla University (SBU) organized an insightful expert talk on "Accreditation Requirements in Universities" on October 26, 2024, at 2:50 PM, bringing together academia and administration to address the pressing challenges and standards in university accreditation.

The event featured prominent educational leaders and experts, focusing on the role of quality assurance and accreditation as essential components of institutional excellence in higher education.

The event, presided over by Professor Gopal Pathak, Director General, brought together distinguished personalities including Dr. Arbinda Bhandari, Dean of the Faculty of Business Management; Dr. Sandeep Kumar, Dean of the Faculty of Commerce. Director IQAC, Prof. Neelima Pathak, Dean of the Faculty of Humanities, Linguistics & yoga & Naturopathy; Prof. Hari Babu Shukla, Dean of Training & Placement. The keynote expert for the event, Professor Sudip Das, Director of the Internal Quality Assurance Cell (IQAC) and Dean of Admissions at BIT Mesra, Ranchi, enriched the discourse with his expertise and extensive experience in accreditation processes.

The event opened with remarks from Dr. Nitya Garg, Coordinator of IQAC and Assistant Professor at SBU, who set the stage for an engaging and informative introduction of the speaker. Following her opening, a small felicitation process was done to honour the speaker. Dr Sudip Das was presented with a memento by the dignitaries.





Dr. Sandeep Kumar delivered a warm welcome address at 2:56 PM. He greeted the esteemed speakers, faculty members, and non-teaching staff, emphasizing SBU's commitment to academic excellence and quality enhancement in line with the evolving standards of higher education.



Dr. Arbinda Bhandari provided an introductory address, setting a constructive tone for the discussion. He highlighted essential accreditation parameters, particularly curriculum development, research, and the alignment of academic offerings with industry expectations. Dr. Bhandari's address underscored the importance of a responsive academic framework that adapts to both

academic and industrial advancements, setting the foundation for the keynote presentation.



Professor Sudip Das delivered the keynote presentation, focusing on current quality assurance and accreditation models essential for sustaining and enhancing academic quality in higher education institutions. As the Director of IQAC and Dean of Admissions at BIT Mesra, Prof. Das brought valuable insights into the evolving landscape of accreditation, including recent reforms

introduced in 2024, and discussed various international quality assurance models. He underscored the role of the IQAC in fostering a learner-centric environment, enhancing curriculum relevance, and promoting continuous quality improvement.



Drawing from his presentation slides, Prof. Das elaborated on the need for a comprehensive quality assurance system that supports transformative learning experiences. He outlined the principles of the PDCA (Plan-Do-Check-Act) cycle, a fundamental tool for continuous improvement within institutions, and highlighted best practices in quality benchmarks, feedback systems, and

stakeholder engagement. Prof. Das emphasized the shift towards a learner-centric model and stressed the importance of involving students directly in the quality assurance process.

Further, Prof. Das elaborated on new accreditation requirements, such as the "Binary Accreditation System" and a "One Nation One Data Platform." The Binary Accreditation model, he noted, introduces a simplified grading system—categorizing institutions as "Accredited," "Provisionally Accredited," or "Not Accredited"—which aims to streamline the accreditation process while improving the quality and credibility of Indian universities. He also discussed the anticipated impacts of these reforms, from fostering inclusivity to positioning Indian institutions as globally competitive academic leaders.



Following the keynote, Prof. Gopal Pathak delivered an address commending the efforts of SBU and BIT Mesra in promoting high standards of academic quality. He praised the contribution of IQAC in steering institutional improvement and emphasized the importance of accreditation as a means to elevate educational quality. Prof. Pathak

encouraged faculty and administration to engage actively in the accreditation process, as it significantly impacts institutional growth and student success.

The event concluded with a vote of thanks by Dr. Atul Karn, a member of the IQAC team. Dr. Karn expressed gratitude to the guest speakers and participants, highlighting that such expert talks serve as essential platforms for knowledge sharing, collaborative thinking, and quality enhancement. He extended thanks to Professor Sudip Das for his expert insights and all the dignitaries who contributed to making the session an enriching experience.

This expert talk was a testament to SBU's commitment to aligning with national and international standards in higher education. By hosting discussions on accreditation requirements and quality assurance, SBU aims to reinforce its academic framework and position itself as a leader in the educational sector. Through ongoing initiatives like this, SBU continues to foster an environment that prioritizes continuous improvement and adherence to accreditation standards, thereby enhancing its reputation and the educational experience it provides. The event marked a

successful exchange of knowledge and reinforced SBU's dedication to quality education and institutional advancement

.

Media Coverage

सरला बिरला विवि में एक्सपर्ट टॉक आयोजि

रांची : उच्चतर शिक्षा हेतु एकेडिमक गुणवत्ता अव्यंत अव्यंत आवश्यक है। आईक्यूपसी की भूमिका इसमें और महत्वपूर्ण हो। जाती है। इसमें नगातार क्वालिटी ईपूर्वमेंट की भी आवश्यकता होती है। इसिंग्ल अव्यवस्तत होती है। इसिंग्ल अव्यवस्तत विवाधी इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से भामिल ही। बीकाईटी मेसरा के निदेशक, आईक्यूपसी एवं डीन, एडिमशन प्रो. सुचीप दास ने शनिवार को उक्त बाते कही। वे सरला विवाली विश्वविद्यालय में अक्षाईक्यूपसी एवं एवं एक साईक्यूपसी एवं होन, एडिमशन प्रो. सुचीप दास ने शनिवार को उक्त बाते कही। वे सरला विश्वविद्यालय में अक्षाईक्यूपसी एवं एवं एक्डिक्टिया हार एडिसिंग्लिया को उक्त बाते कही। वे सरला विश्वविद्यालय में अक्षाईक्यूपसी हार एडिसिंग्लिया की उक्त बाते कही। वे सरला विश्वविद्यालय में अक्षाईक्यूपसी हार एडिसिंग्लिया हो। आईक्यूएसी द्वारा 'एक्रीडिटेशन रिक्षयरमेंट्स इन यूनिवर्सिटी' विषय रिक्कसमेंट्स इन युनियिर्दिरी विषय पर आयोजित एक्सपर्ए टॉक के अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अध्ययन और अध्यापन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मॉडल पर भी अपनी बात कही प्रिसिपल औफ पीडीसीए। प्लान ट्र चेक आटी। पर प्रकाश डालती हुए उन्होंने सतर गुणवत्ता के महत्त्व की बात की। इस अवसर



संबोधन के म पर अपन विश्वविद्यालय माननीय विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने बीआईटी और एसबीयू की अकादिमक गुणवत्ता की बात उपस्थित श्रोताओं के समक्ष कही। ज्यस्थित श्रीताओं के समक करी।
- उन्होंने शिक्षा की गुण्यता को गुण्यता को संस्थान के विकास के लिए अर्थत जरूरी करार हिया। साथ ही शिक्षकों और शिक्षकेत्तरा के रिवाद साथ ही शिक्षकों और शिक्षकेत्तरा के उत्साहकर्षन पर कांचारी के उत्साहकर्षन पर जान दिया। प्रमाप कुलपीत ही, अर्रादेश भंडारी ने एक्रीडिटेशन से जुड़े मानकों की चर्चों करते हुए उद्योग की अर्थकाओं पर जानकर्रा री।

वा उन्होंने अकारमिक



रूपरेखाओं प भी प्रकाश ह होगी. उच्चतर शिक्षा के लिए एकेडमिक गुणवत्ता अत्रवंत आवश्यक है. आइन्यूएसी की भूमिका इसमें गां के विषय प्रवेश से स्वागत भाषण डॉ. संवेध ने भी आवश्यकता होती है. उसमें लगातार क्वालिटी इंप्रवमेंट की भी आवश्यकता होती है. ये वातें बीजाइटी मेसरा और घनवार प्रताब डॉ. के आइन्यूएसी कि निदेशक प्रो सुदीप दास ने कहीं, वे कर्ण ने दिया इस वैपन वीन सरला वियत्ता विविध में आइन्यूएसी द्वारा एकीडिटेशन नीलामा पाठक, हरी जब शुं के न्यूनिविधित के अत्रविद्धार की स्वाप्त हैं ये इस अवसर पर विविध के महानिदेशक शिव्यक्ता के प्रतिकृती प्रविध के अत्रविद्धार ने प्रविध के प्रतिकृती प्रविध के प्रतिकृती प्रविध के प्रतिकृती स्वाप्त के प्रतिकृती स्वाप्त के प्रतिकृती स्वाप्त के प्रतिकृती स्वाप्त के प्रतिकृती के अत्रविद्धार के प्रतिकृती के स्वाप्त के स्वाप्

द हिंडन हि

संस्थान के विकास के लिए शिक्षा की गुणवत्ता जरूरी: सुदीप दास

रांची। उच्चतर शिक्षा हेतु एकेडमिक गुणवता अत्यंत आवश्यक है। आइक्यूएसी की भूमिका इसमें और महत्वपूर्ण हो जाती है। इसमें नगरपुण हो जाता हो इसम लगातार क्वालिटी इंप्रूवमेंट की भी आवश्यकता होती है। इसीलिए अध्ययनरत विचार्थी इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हों। बीआइटी मेसरा के निदेशक, आइक्यूएसी एवं डीन, एडिमिशन प्रो. सुदीप दास ने शनिवार को उक्त बातें कहीं। वे सरला विरला विश्वविद्यालय मे आइक्यूएसी द्वारा 'एक्रीडिटेशन रिक्वावरमेंट्स इन वृनिवर्सिटी' विषय पर आवोजित एक्सर्च्ट टॉक के अक्सर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अध्ययन और अध्यापन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मॉडल पर भी अपनी बात कही। प्रिंसिपल ऑफ पीडीसीए (प्लान ट्

चेक आर्ट) पर प्रकाश डालते हए



उन्होंने सतत गुणवता के महत्व की बात की। इस अवसर पर अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने महानिदशक प्रा. गोपल पाठक न बीआइटी और एसबीयू की अकादमिक गुणवत्ता की बात उपस्थित ब्रोताओं के समश्च कही। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता को संस्थान के विकास के लिए अर्त्यंत जरूरी करार दिया। साथ ही शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के उत्साहवर्धन पर जोर दिया। प्रभारी कुलपति डॉ. अरबिंद भंडारी ने एक्रीडिटेशन से जुड़े मानकों की चर्चा करते हुए उद्योग की अपेश्वाओं पर जानकारी दी। उन्होंने

प्रकाश डाला। भरा आसा। कार्यक्रम की शुरूआत कावक्रम का शुरूआत है। नित्या गर्ग के विषय प्रवेश से हुई। स्वागत भाषण डॉ. संदीप कुमार और धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. अतुल कर्ण ने दिवा। इस दौरान डीन डॉ. नीलिम पाठक, हरि बाबू शुक्ला, बृज भूषण पांडेब, आनंद विश्वकर्मा समेत विवि के अन्यान्य शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दल और डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा ने : कार्यक्रम के आयोजन पर अप आयोजन पर अपनी

शुभकामनाएं प्रेषित की।

4:51 🗷 📵 🐲 🔹 a 🥯 ﷺ all 899 Ranchi News... ⋖ <u>°</u>-5 X epaper.jagran.com

ची। जेनोचा (ज्ञानकण्ड ग्रिट्स्स ऑफिससें वडका सोमिएसन) के तत्त्वकथन में राहाबादी में आयोजित दिवली ला 2024 में शनिवार की रांची। जेसोवा सांस्कृतिक शाम संगीत के सात सुरे से सजी हुई थी। बनारस पराने की सुनंदा शर्मा का शास्त्रीय संगीत और गायन एक अनुती अनुभूति प्रदान की शुरुवात की। उसके बाद 🗳 सुन्दर साडी मेरी... भाषक भई.. और इसरी अटरिया पे आओ म्याः अतः इन्तरं अतः व्यवः मृज्याः सांवरियाः... संगीत से ऐसा लग ता र थः, जैसे बनारस को संस्कृति भारा मीरहाजादी में उतर आणी हो। 23 जैसीचा



इस वेले में बड़ी संख्या में लोग आ रहे हैं।

शृंगार से लेकर परिधान तक,

उच्चतर शिक्षा के लिए एकेडमिक गुणवत्ता

अत्यंत आवश्यक : प्रोफेसर सदीप दास

जाईक्यूएसी द्वारा 'एक्रीडिटेशन विजयनसमेंट्स इन यूनिवर्सिटी' किया पर अयोजित एक्सपर्ट टॉक के

अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने अध्यक्षन और

रक्ष वा उक्कान अल्प्यन आर अध्यापन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मंडल पर भी अरनी धात कही। ग्रिसियल ऑफ पोडेस्सेए पर प्रकारा डालते हुए उन्होंने सत्तर गुणवत्ता के सहत्व को

्रया अस्मर स अपने तंसीचन में प्रतिकृत्विकी क्रियर कुमार ज्ञान किर्विकालान के महिन्दिक्त के और औं उदि कुमार क्यों ने हम स्थावन पाइन में बार्चर्टी और कार्यक्रम के असेन्ट — एसबीव मी अस्मर्थन

आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बेले के दूसरे दिन खराब मीसम की चुनौतों देते हुए भी लोग पहुँचे और जमकर खरीदतों की। ट्रेडिशनल खब कुछ आवर्षक व्येलरी, स्टाइलिंग नैजन वे रावाची मेले पांच दिवसीय साथ डीम डेक्केर के प्रोडल्स । दिवाली 2024 मेला को आकर्षित कर रहे हैं। नीलो प्रकारिक देशक है सा

कटी। उन्होंने तिश्च की गुणवता के एंस्थान के विकास के लिए अलॉट

संस्थान के विकास के लिए अनरि जरूनी करन दिया तथा ही विश्वकों और विश्वकेतर कर्नवारियों के उत्सादनवर्षन पर नोग दिया। प्रश्नी कुलाड़ीन की अनिवंद पहारों में पहारोंड़ित से जुड़े सानतीं की सर्वा अन्देत हुए जारोंद की अन्देशकों पर जानकारों थे। उन्होंने अक्सारीयक रूपेस्थाओं पर भी प्रसाद प्रताह।

करकार से प प्रकार अला कार्यक्रम की शुरूआत टॉ. निवा गर्र के विश्व प्रकेश से हुई। स्थानत भाषप डॉ. संदीप कुमत और भनवाद प्रस्ताव डॉ. शहून कर्ण ने

नः

टासर म

पटा

ф:

नृत् क

रांची 27-10-2024

'उच्चतर शिक्षा के लिए एकेडमिक गुणवत्ता आवश्यव

एसबीयू में आयोजित कार्यक्रम में शामिल महानिदेशक व अन्य • जाजरण

जागरण संवाददाता, रांची : उच्चतर शिक्षा

के लिए एकेडमिक गुणवत्ता अत्यंत

आवश्यक है। आइक्यूएसी की भूमिका

इसमें और महत्वपूर्ण हो जाती है। इसमें

लगातार क्वालिटी इंप्रूवमेंट की भी

अध्ययनरत विद्यार्थी इस प्रक्रिया में

प्रत्यक्ष रूप से शामिल हों। बीआइटी

मेसरा के निदेशक, आइक्यूएसी एवं

होती

आवश्यकता





एक्रिडिटेशन रिक्वायरमेंट पर चर्चा



सीयुजे : एनईपी के चलते विलुप्त होने से बची जनजातीय लिपियां

आज की प्रेरणा

दैनिक

भाग्रका

सफलता इस ब आपके पास क्य बातमें हैकि ३



सरला बिरला विश्वविद्यालय में

रांची सरला बिरला विश्वविद्यालय में आईक्यूएसी की ओर से एक्रिडिटेशन रिक्वायरमेंट्स इन यूनिवर्सिटी विषय पर एक्सपर्ट टॉक आयोजित किया गया। इसमे बीआईटी मेसरा के निदेशक आईक्यूएसी एवं डीन एडमिशन प्रो. सुदीप दास, विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, प्रभारी कुलपति डॉ अरबिंद भंडारी आदि उपस्थित रहे। प्रो. सुदीप दास ने कहा कि उच्चतर शिक्षा हेतु एकेडिमक गुणवत्ता अत्यंत आवश्यक है। आईक्यूएसी की भूमिका इसमें और महत्वपूर्ण हो जाती है। इसमें लगातार क्वालिटी इंप्रूवमेंट की भी आवश्यकता होती है। इसीलिए अध्ययनरत विद्यार्थी इस प्रक्रिया में प्रत्यक्ष रूप से शामिल हों। प्रो गोपाल पाठक ने शिक्षा की गुणवत्ता को संस्थान वे विकास के लिए अत्यंत जरूरी बताया। मौके पर डीन डॉ. नीलिमा पाठक, हरि बाबू शुक्ला, बृज भूषण पांडेय आनंद विश्वकर्मा आदि उपस्थित रहे।

शिल्पकला प्रदर्शनी में दिखीं 8

इसलिए

है।

जागरण संवाददाता, रांची : एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग में शिल्प और कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के द्वारा बनाई गई 800 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं। जिनमें मंडला पेंटिंग, सोहराई पेंटिंग, मधुबनी पेंटिंग के अतिरिक्त अनेक सुंदर तैल चित्र, पोट्रेंट, दीपक एवं घट पेंटिंग, सुंदर पेंसिल स्केच, बोतल पेंटिंग, क्ले माडल और उम्दा किस्म की हस्तशिल्प वाले साज सज्जा की वस्तुएं प्रदर्शित की गईं। मुख्य आकर्षण मोनालिसा का चित्र रहा।



डीन, एडमिशन प्रो. सुदीप दार

शनिवार को उक्त बातें कही। वे स

विरला युनिवर्सिटी में आइक्यूएसी

युनिवर्सिटी विषय पर आये

एक्सपर्ट टाक के अवसर पर

विचार व्यक्त कर रहे थे। उ

अंतरराष्ट्रीय माडल पर भी बात कहं

अध्ययन व अध्यापन से

रिक्वायरमेंटस

एक्रिडिटेशन

एसआर डीएवी पुंदाग में आयोजित प्रदर्शन हेहल के प्राचार्य संजय कुमार वि डीएवी नीरजा सहाय की प्राचार्या वि



पारस हॉस्पिटल में ब्लड कैंसर से पीडित मरीज का सफल डलाज

रांची। पारम डॉस्पिटल धुपां में 35 वर्षीय बनाड केंसर से पीडित मरीज का सफल इलाज किया नया है। ले पारहा था। इसके बाद डॉक्टरों पास दक्षिपरान के ऑन्कोलॉनी त आस्त्रात्त के जानस्त्राज्य तम के डॉ मुंजेश सिंह की रेख में मरोज का स्वास्थ्य अभी

रांची। उच्चतः शिक्षः हेनु एके हरिक

इन्स्ता वापन व्यवस्थि है। अईक्कूस्सी की चूंपिका इसमें और वहत्वपूर्ण हो जाती है। इसमें लगतर स्वालिटी इंग्रुवनेंट की ची

करप्यां भी वाता है। इन्स्य स्थानित स्थानित इंप्रुवेग्टि की भी आपरपक्ता होती हैं। इस्तित्तर् अध्ययनात विश्वार्थी इस प्रक्रिया में प्रायक्ष रूप से शामित हों। बीआईटी

गेरारा के निदेशक, अर्डक्यासी एवं

डीन, एडमिशन प्रो. सुदोप दास ने शनिधर को उक्त बार्ज कही। दे

ट्यूमर था और यह गर्दन तक फैल रहा था। ट्यूमर इतना चड़ा था कि को डिस्चार्ज कर दिया है। मरोज उस मरीज को सांच लेने में भी बिना ऑक्सीजन समेर्ट के सांस

में पानी भर रवा था। हार्ट के चारों हरफ भी पानी भर हुआ था। पानी भरने और बड़ा ट्यूमर होने को बजह से मरोज दंग से सांस नहीं

ल च सहा था। इसके बाद डॉक्टरा को टीम ने जांच की तो पता चला कि इस मरीज को ब्लड कैंसर है। इसके बाद मरीज का कीमोधेरपो मुक्त किया गया। कीमोधेरपो के जरिए कैंसर कोशिकाओं को तेजी त्ते नष्ट किया गया। इसके बाद मरोज

फिलहात मरीज बिल्कुल ठीक है। जॉ मुंजेस सिंह ने फ्या फि फरड कैसर क्यूंचित होता है। एडवॉस डिजिज के आने के बंद रक्षार म प्रदेशमा डिजाज के अंतर के बाद भी इसे ज्यूर किया जा मकता है। जन्म के के का इराजा संभव है। पास्त हॉस्पटल पूर्वा में केसर का इराजा किया जा रहा है। डॉस्पटल के फीसीनटी निरक्षक डॉ बीतेल कुमार ने कहा

मरीज का इलाज केंद्र सरकार के स्वास्थ्य बोजन के तहत इंस्पिटल की काम में किया गया है। सरकारी दर पर

